B.Ed Ist year

Sub = Pedagogy of Sanskrit

1. संस्कृत भाषा शिक्षण का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके महत्व एवं उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।
2. संस्कृत भाषा का पाठ्यक्रम में स्थान तथा अनिवार्यता निर्धारित कीजिए।
3. संस्कृत भाषा शिक्षण की निम्नलिखित पद्धतियों के उद्देश्य, विशेषताएँ, लाभ तथा सीमा की टिप्पणी कीजिए।
4. (1) पाठशाला, पाठ्यपुस्तक, व्याकरण अनुवाद प्रत्यक्ष विधि
5. संस्कृत पाठ्यपुस्तक निर्माण के बारे में अपने विचार व्यक्त कीजिए।
5. सूक्ष्म तथा विस्तृत पाठयोजना का वर्णन कीजिए।
6. संस्कृत भाषा शिक्षण तथा पुस्तकालय के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक बताएँ।
7. संस्कृत में गद्य, पद्य एवं व्याकरण शिक्षण की प्रक्रिया, सोपान तथा उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

8. रचना शिक्षण तथा अनुवाद शिक्षण की प्रक्रिया उद्देश्य तथा सोपान को समझाइये।

9. कृ तथा अस् धातु के रूप लृट तथा लट लकार में सभी पुरुषों में लिखें।

10 हरि तथा तदी का रूप लिखें।

11. अनीयर और तव्यत् प्रत्यय से तीन-तीन शब्द बनाएँ।

12 बहुव्रीहि तथा द्वन्द्व समास में अन्तर स्पष्ट करते हुए तीन-तीन उदाहरण लिखें।

13. संस्कृत भाषा में उच्चारण सम्बन्धी दोष, कारण तथा उनका समाधान लिखें।

14. संस्कृत भाषा के शब्दों का अक्षर विन्यास कीजिए— विद्यार्थी, आकांक्षा, प्रयत्न, सन्दर्भ, आशीर्वाद।

15 निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए—

(क) राम विद्यालय जाता है।
(ख) वह पैन से प्रश्नोत्तर लिखती है।
(ग) मेरा भाई मोहन आठवीं कक्षा में पढ़ता है।
(घ) हमें हमारी संस्कृति पर गर्व है।
(ङ) मुझे लड्डू अच्छे लगते हैं।